<u>नवनिर्मित बिलाड़ा न्यायालय परिसर के उदघाटन समारोह में माननीय मुख्य न्यायाधिपति श्री पंकज मित्थल का उद्बोधन।</u>

दिनांक 10.12.2022
समय–10.00 AM

1. माननीय न्यायमूर्ति श्री दिनेश माहेश्वरी साहब, न्यायाधिपति, उच्चतम न्यायालय।
2. माननीय न्यायाधिपति श्री संदीप मेहता, प्रशासनिक न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय।
3. श्री पी.पी. चौधरी साहब, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं एम.पी. साहब।
4. जिला कलेक्टर।
5. एस.पी.।
6. अध्यक्ष, बिलाडा बार एसोसिएशन।
7. न्यायिक अधिकारीगण।
8. सुनील बेनीवाल, चैयरमेन बी.सी.आर.।
9. सम्मानीय जन प्रतिनिधिगण।
10. विद्वान अधिवक्तागण।
    एवं
11. उपस्थित देवियों एवं सज्जनों।

आप लोगों के बीच आने की मुझे अत्यन्त ही खुशी है। मूलतः मैं अधिवक्ता ही हूँ। अतः आप मित्रों का साथ एक अच्छा एहसास देता है।

यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि आज बिलाडा न्यायक्षेत्र में नवीन न्यायालय परिसर का लोकार्पण किया जा रहा है और मुझे इस कार्यक्रम में उपस्थित होने का अवसर प्राप्त हुआ है।

इस नवीन परिसर का लोकार्पण माननीय न्यायमूर्ति श्री दिनेश माहेश्वरी जी, न्यायाधिपति, उच्चतम न्यायालय के कर कमलों द्वारा हो रहा है, जो स्वयं इसी जोधपुर क्षेत्र के मूल निवासी है। लोकार्पण कार्यक्रम में मेरे बंधु न्यायाधिपति श्री संदीप मेहता व उपस्थित अन्य बंधु न्यायाधीशों, विद्वान् अधिवक्तागण व न्यायपालिका के अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति इस कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ाती है। आप सभी के सहयोग से आज न्यायपालिका में आधारभूत विकास हो रहा है।

यह भवन 15 बीघा जमीन पर निर्मित है और यह भवन दो तलों में बना है। इस भवन का निर्माण अक्टूबर, 2020 में प्रारम्भ होकर दो वर्षों में पूर्ण हुआ है और इसकी कुल लागत 03 करोड 73 लाख रुपये आई है। इस

भवन में दोनों मंजिलों पर एक–एक विशाल कोर्ट, न्यायाधीश कक्ष, निजी सहायक कक्ष व गवाह कक्ष बने हैं। एक आधुनिक कोर्ट से संबंधित सभी सुविधाएं इसमें उपलब्ध कराई गई है, जिसमें कि अधिवक्ताओं के बैठने के लिए अलग से बड़े हॉल की भी सुविधा प्रदान की गई है। मेरा मानना है कि इस भवन के कार्यात्मक होने पर हमारे न्यायिक अधिकारियों व अधिवक्ता बंधुओं को काम करने में अत्यधिक सुविधा प्राप्त होगी और उनके कार्य करने की क्षमता अपने आप बढ़ जाएगी।

जनपथ न्यायालय हमारी न्यायपालिका की नींव है। हम इस नींव को जितना मजबूत बना सकेंगे उतनी ही अच्छी ऊपर की हमारी इमारत बन सकेगी, इसलिए मेरा मानना है कि हमें सबसे अधिक ध्यान अपनी जिला न्यायालयों पर केन्द्रित करना चाहिए। जिला न्यायालय से अधिकांश जनता सीधे सम्पर्क में आती है और उसी के आधार पर वह न्यायपालिका के बारे में अपनी एक सोच बना लेते हैं। अतः जिला न्यायालय का ढांचा ऐसा होना चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति जो उसके सम्पर्क में आए उसे न्यायपालिका की एक अच्छी छवि देखने को मिलें और जिससे उसका विश्वास न्यायपालिका में बढ़ सके।

एक मजबूत न्यायपालिका के लिए एक जागरूक बार का होना अनुकूल है। अधिवक्ता की सहायता के बिना कोई भी न्यायालय सुचारू रूप से कार्य नहीं कर सकता। न्याय प्रदान करने की प्रक्रिया में न्यायपीठ और बार के बीच का समन्वय बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बिलाडा के इस न्यायिक भवन के निर्माण व कार्यात्मक होने से न्यायपीठ व बार एसोसिएशन में एक अच्छा समन्वय स्थापित होगा, जो हमें एक बेहतर न्यायिक व्यवस्था प्रदान करेगा।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि बिलाड़ा कस्बे में नए न्यायालय भवन के निर्माण से प्रशासनिक एवं न्यायिक कार्यों में गतिशीलता आएगी।

सत्यमेव जयते।

धन्यवाद।